

अपर समाहर्ता का न्यायालय, दुमका ।

रे0मि0 अपील सं0 17/11-12

रासमुनी देवी.....अपीलकर्ता

बनाम

सुखी मुर्मू.....उत्तरकारी

।।आदेश।।

यह रे0मि0 अपील वाद सं0 17/11-12 रासमुनी देवी बनाम सुखी मुर्मू सा0 सिमलदूमा अंचल-जामा के बीच अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका के रे0मि0 वाद सं0 293/99-2000 में पारित आदेश दिनांक 27.11.2000 के विरुद्ध में दायर किया है ।

अभिलेख के अवलोकन से प्रतीत होता है कि उभय पक्ष लगातार कई तिथियों से न्यायालय में बिना कारण बताए अनुपस्थित हैं । उभय पक्षों को दिनांक 07.06.17 को न्यायालय में उपस्थित होकर पक्ष प्रस्तुत करने हेतु नोटिश निर्गत किया गया । नोटिश बिना तामिला का वापस किया गया है, जिसमें प्रक्रिया पालक द्वारा प्रतिवेदित किया गया है कि अपीलकर्ता के नाम का कोई व्यक्ति इस ग्राम में नहीं रहता है । तथा उत्तरकारी को निर्गत किया गया नोटिश में प्रतिवेदित है कि उत्तरकारी का अता पता नहीं चला, नाम पता गलत है ।

इस प्रकार उभय पक्षों का पता न मिलने के कारण नोटिश को बिना तामिला का वापस किया गया है । उभय पक्ष लगातार कई तिथियों से न्यायालय में अनुपस्थित है, इससे स्पष्ट होता है कि उभय पक्षों को इस वाद में कोई अभिरुचि नहीं है ।

अतः उभय पक्षों की लगातार अनुपस्थित एवं वाद में अभिरुचि के अभाव के कारण वाद की कार्रवाई बिना विचारण के समाप्त किया जाता है ।

लेखापित एवं संशोधित

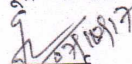

अपर समाहर्ता,


अपर समाहर्ता,

ज्ञापांक 32/डुमका/डुमका

दिनांक 7/10/17 दुमका ।

प्रतिलिपि :- अनुमंडल पदाधिकारी, दुमका को आदेश की प्रति के साथ सूचनार्थ प्रेषित । प्राप्त निम्न न्यायालय का अभिलेख सं0 आर0एम0 293/99-2000 रासमुनी देवी का मूल में संलग्न कर भेजा जाता है ।


अपर समाहर्ता,